

असाधारण Extraordinary

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकातित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 128]

नई विल्ली, सोमवार, जून 4, 1990/ज्येष्ठ 14, 1912

No. 128]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 4, 1990/JYAISTHA 14, 1912

इस भाग में भिन्स पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि बहु अलग अकलम को कप में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### विश मंत्रालय

(भार्थिक कार्य विभाग)

### मधिमुचना

नई दिल्ली, 4 जून, 1990

नं, एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/90---10.50 प्रतिगत पहुण 1995, 10.75 प्रतिशत श्रहण, 2000, 11.25 प्रतिगत श्रहण, 2005 और 11.50 प्रतिगत श्रहण, 2010 के लिए गुल 2000 करोड़ रुपयों या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के यास्ते 11 जून, 1990 को वैक्तिंग समय की समाध्ति तक प्रभिवान नकवी में स्वीकार किये जायेंगे। परश्चम्य लिखत प्रविनियम, 1881 के प्रधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 11 जून 1990 को छुट्टी जीवित किये जाने पर भगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित प्रावाना कार्यालयों में ध्रिभि-दान स्वीकार किये जायेंगे।

2 बिंब उपर्युक्त ऋणों की कुल मिनदान रामि 2000 करोड़ रायों से प्रविक हो तो भनिवालामों को मानुपालिक मान्नार पर भांतिक मार्मटन किया जाएगा । यवि अधिक आवंटन किया जाता है तो आंतिक याण्टन के बाद यक्षाणील अविक अभिवान को राशि लीटा वी जाएगी । इस प्रकार वीटायी गयी राशियों पर कोई क्याज भ्रदा नहीं किया जाएगा ।

स. 100.00 प्रतिगत की दर पर जारी किया जाने वाला और
 मून, 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेव 10.50 प्रतिक्षत ऋण, 1995

- (i) आपसी अवायगी की तारीख---ऋण 11 जून / 1995 को सम-मूल्य पर घाषम अदा किया जाएगा ।
- (ii) निर्मम मूल्य—प्रत्येक र. 1,000.00 (सांहेतिह) का निर्मम मूल्य र. 1,000.00 होगा ।
- (iii) ब्याज--इस ऋग की ब्याज दर 11 जून 1990 से वार्षिक 10.50 प्रतिगत होगी । 11 जून 1990 से 10 दिसम्बर 1990 (साहित) की धवधि के लिए ब्याज 11 दिसंबर 1990 को अदा किया जायगा और तत्पक्तात् क्याज छमाही घाधार पर 11 जून और 11 दिसम्बर को धवा किया जायेया । इस प्रकार धदा किये गये क्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11

के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के श्रेतर्गत कर लगेगा।

- 4. ए. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया आर्त दाला और 11 जुम 2000 को सममूख पर देय 10.76 प्रतिशत ऋण, 2000
  - (i) बापमी अवायगी की तारोख : ऋण 11 जून 2000 को सम्मृत्य पर बापम अदा किया जायेगा।
  - (ii) निर्धम मूल्य: प्रस्पेक रू 1000 00 (सांकेतिक) का निर्धम मूल्य र. 1,000.00 होगा।
  - (iii) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 11 जून 1990 से वार्षिक 10.75 प्रतियात होगी। 11 जून 1990 से 10 विसंबर 1990 (सिहत) की अविधि के लिए ब्याज 11 दिसम्बर 1990 को अदा किया जायेगा और तत्मरूजान् ब्याज छमाही प्राधार पर 11 जून और 11 दिसंबर को प्रदा किया जायेगा। इस प्रकार खवा किये गयें ब्याज पर नीचे विधे हुए अनुक्टेंद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर श्रिधानियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।
- 5. घ. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला भीर
   11 जून 2005 को सममूल्य पर प्रतिदेव 11.25 प्रतिशत ऋण, 3005
  - (i) वापसी श्रदायगी की तारोख --ऋग 11 जून 2005 की सम-मूल्य पर वापस श्रदा किया जाएगा ।
  - (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक म. 1,000.00 (मांकेनिक) का निर्गम मस्य म. 1000.00 होगा ।
  - (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 जून 1990 से वार्षिक 11.25 प्रतिशत होगी। 11 जून 1990 से 10 दिसंबर 1990 (सिह्स) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसंस्वर 1990 को सबा किया जायेगा और तत्पश्चास् व्याज छमाही साधार पर 11 जून बार 11 दिसंबर को अबा किया जायेगा। इस प्रकार अबा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपनेशों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गेम कर सगेगा।
- 6. ६. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया आने वाला श्रीर 11 जूम 2010 की सममूल्य पर प्रतिदेव 11.50प्रतिशत ऋण, 2010
  - (i) वापनी श्रदायगी की तारीख--ऋण 11 जून 2010 को सम-गृन्य पर वापन श्रदा किया जाएंगा।
  - (ii) निर्गम मूल्य---प्रश्येक रु. 1,000 ०० (सिकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
  - (iii) ब्याज हिंस ऋण की ब्याज दर 11 जून 1990 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 11 जून 1990 से 10 दिसम्बर् 1990 (सिहत) की प्रविध के लिए ब्याज 11 दिसंबर 1990 को प्रदा किया जायेगा भौर तत्पण्वात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसंबर को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार प्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के अपने में ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के अपने में स्थान आयकर श्रिधनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।
- 7. उमर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की गुळ राशि निकटतमपूर्ण रुपये में पूर्णीकित करने के बाद धवा की आयेगी। इस प्रयोजन के लिए पनास पैसे से कम के ब्याज को हिमाब में नहीं लिया आयेगा भीर पचाम वा उसरो अधिक पैसों को भगने एपये में पूर्णीकित किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

- भावेदनपत्र निम्नलिखित कार्यासमीं में स्वीकार किये जामेंगें :—
- (क) ब्रह्मवाबाव, अंगलूर, भुवनेष्वर, खंबई (फोर्ट ग्रौर भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैंदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना श्रौर सिवेन्डम में स्थिल भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय और
- (क्ष) उपर्युक्त (क) में विये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुक्यालयों में भारतीय स्टेट दैक की शाखाएं।
- 9. क्याज घ्रदा करने का स्थान हन ऋणों पर भारतीय रिजर्व वैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेषवर, बंबई, कलकत्ता, गुनाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी विल्ली, पटना और विक्रेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों सथा भारत में जम्मू और कम्मीर तथा सिकिकम राज्यों को छोड़कर धन्यस्न किमी राजकोप या उप-राजकोप में ब्याज श्रदा किया जायेगा।
- 10. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त मधिनियमों द्वारा निर्धा-रित दरों पर) कार्ट गर्गे कर की वापसी अदायनी उन ऋग-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लाग् नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लाग् होता है जो कार्ट गर्थे कर को दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित वर से कम दर कर लागू है वह जिले के भ्रायकर भ्रधिकारी को भ्रावेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपक्त प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने बाली न्यूननम दर पर कर की कटौती करके उसे क्याज भ्रदा किया जाए।

- 11. मन जारी किये जाने वाले ऋणो पर व्याज भीर इसके पहले की भ्रम्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने बाले व्याज तथा भ्रन्य भ्रनुमीवित निनेशों से मिलने वाली आय को वापिक 7,000 रुपयों की सीमा तक भीर भ्रायकर भ्रधिनियम, 1962 की धारा 80ट के भ्रन्य उपवंशों के प्रधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी ।
- 12. श्रम जारी किये जाते वाला ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के भूत्य ग्रीर इसके पहले सरकारी प्रतिश्वित्यों में किये गये श्रन्य निवेशों और संपत्ति कर प्रधिनियम की धारा 5 में निर्दिश्ट ग्रन्थ निवेशों के मूहय को भी ग्रधिनियम में निर्दिश्ट मीमा तक संपत्ति कर से छट प्राप्त होगी !
  - 13. प्रतिभृतियां केवल स्टाक प्रमाणपत्नों के रूप मे जारी की जायेगी।
- 14. ऋणों के लिए भावेदनपत्र—ऋणों के लिए भावेदनपत्र इ. 1,000 या उसके गुणकों के लिए होने चाहिए ।
- 15. आवेदनपत इसके पाथ संलग्न फार्स में या कियी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राणि, श्रावेदक का पूरा ताम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायनी की अपेक्षा करता है।
- 16. आवेदनपत्नों के साथ आवश्यक राणि नकदी या चैक के रूप में प्रैषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टैट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चैंक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।
- 17. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा प्रयने प्राहकों की प्रोर से प्रस्तुत भावेदन पत्नों पर किये गये प्रावंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत भीर उनकी मुहरपुक्त ऋण भावेदनपत्नों पर किये गये श्रावंटनों पर प्रति बैंक 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की रूप पर इलाली भवा की आयोगी। बैंक वाणिज्य और सहकार। बैंक —उन हैं अपने अभिवानों के लिए दलाली की भ्रदायगी के पाल नहीं होंगे।

नष्ट्रपति के भावेश से, श्रीमति जानकी कठपालिया, संयुक्त सचिव

			क्लाल के मुहर और पसा 
	आवेदन का फार्स		
हम*			
(पूरा/(रेनॉम)			
*, ***	,		ं रूपये) के लिए
<b>a</b> *			
ं प्रस्तुत करता हूं/करते हैं भीर यह भनुरोध करता हूं/करते हैं कि पूर्वे/हवेर	ेस्टक प्रमाणका इं	<sup>*</sup> मेरे/हमारे	एस. आर्थ. एस. स्वाते में जमा के ट्रेस्टर मे
ं ' ' ' ' के सांकेरिक मरुव जी 10,50 प्रतियत अग्य, 1995	<sup>!</sup> ं। ७. ७३ प्रतिशतः	度年 2000年/	1.1.2.5 प्रतिनास ऋग. 2.00.5 <sup>क</sup> /1.1.50
<del></del>	<sup>k</sup> /10.75श्विश्त व	हम 2000 <sup>*</sup> /	11.25 प्रतिनास ऋषा, 2005 <sup>™</sup> /11.50
<del></del>	<sup>क</sup> /10.75 प्रतिशात व	हिंग 2000 <sup>†</sup> /	/11.25 प्रतिनास ऋष्ण, 2005 <sup>क</sup> /11.50
ने <b>पर</b> स ऋषा, 2010 <sup>अ</sup> को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।			·
<del></del>			·
निम्मरः ऋषा, २०१० में फो प्रतिमूनियां जारी की जाएं।			·
विशेष टिप्पणी: इस खाने में आक्षेत्रक कुछ न लिखें			·
नमस्त ऋण, 2010 में को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मै/हम में बाहता हुं/बाहते हैं कि उनका ब्याज			·
भारत ऋण, 2010 के को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम के चाहता हूं/चाहते हैं कि उनका ब्याज			में अया किया जाए ।
श्यसः ऋषः, 2010 भं को प्रतिमृतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम भं चाहता हूं/जाहते हैं कि उनका आज विशेष टिप्पणी: इस खाने में आनेवक कुछ न लिखें प्रविष्टियां मादाता कार्यालय द्वारा की जाएंती।	ूमाचक्षय	दिनांक	में अया किया जाए ।
मास ऋग, 2010 में को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम में चाहता हूं/चाहते हैं कि उनका ब्याज  विवेदिष्पणी: इस खाने में आनेदक कुछ न लिखें  प्रविद्धियां मादाता कार्यालय द्वारा की जाएंती।	ूमाचक्षय	दिनांक	में अया किया जाए ।
प्रक्षत ऋष, 2010 में को प्रतिभूतियों जारी की जाएं।  2. मैं/हम में चाहता हूं/चाहते हैं कि उत्तका ब्याज  विषेष टिप्पणी: इस खाने में आश्रेषक कुछ न लिखें  प्रविष्टियां घाषाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  गिर्वेदन्यक ' विषाणी नहीं' मुहुर		दिनोक	में अया किया जाए ।
प्रक्षत क्ष्म, 2010 में को प्रतिभूतियों जारी की जाएं।  2. मै/हम में चाहता हूं/चाहते हैं कि उनका ब्याज  विषेष टिप्पणी: इस खाने में आश्रेषक कुछ न लिखें  प्रविष्टियां घाषाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  सर्वेष क्ष्मणी नहीं महर्ग कवी प्राप्त होने की नारीख	्रभाचक्षय	दिनोक	में अया किया जाए ।
स्मास च्हुक, 2010 के को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम के बाहता हूं/बाहते हैं के उनका ब्याज  विवेदियां मावाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्यां मावाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्यां मावाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  विवेदन्यस्म  क्षाणी नहीं मुहुर  कदी प्राप्त होने की नारीखा	ूमाबक्षय	दिनोक	में अया किया जाए ।
प्रक्षत क्ष्म, 2010 के को प्रतिभूतियों जारी की जाएं।  2. मैं/हम के नाहता हूं/जाहते हैं कि उनका ब्याज  विषेष टिप्पणी: इस खाने में आश्रेषक कुछ न लिखें  प्रविष्टियां प्राचाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  संविष्टियां प्राचाना कार्यालय द्वारा की जारीखां कार्याल पाल खाने में जमा करने की तारीखां	ू भा बाक्षय	दिनोक	में अया किया जाए । हस्ताक्षर पूरा (पूरे) माम
स्वसः ऋष, 2010 के को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम के बाहता हूं/बाहते हैं कि उनका ब्याज  विवेदपणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें प्रविद्यियां प्राचाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  सर्वेदनपक्ष विलाजी नहीं मुहुर कदी प्राप्त होने की नारीख क्षिय स्वात में जमा करने को तारीख जिस्ता स्वी	ू मां बाक्षय	दिनोक	में अया किया जाए । हस्ताक्षर पूरा (पूरे) माम
प्रकार क्रिक, 2010 के को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मै/हम के बाहता हूं/बाहते हैं के उनका ब्याज  विषेष टिप्पणी: इस खाने में आवेषक कुछ न लिखें  प्रविद्यित प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  संवेषनप्रकार की नारीख का अहान की नारीख का पान करने की तारीख का गयी.  विषयी आवेषनपत्रों के रिजस्टर में दर्ज किया गया लिली रिजस्टर में दर्ज किया गया	ू मांचक्षय	दिनांक	में अया किया जाए । हस्तक्षर पूरा (पूरे) माम
श्वसः ऋषः, 2010 कं को प्रतिभृतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम कं नाहता हूं/जाहते हैं कि उतका ब्याज  विशेष टिप्पणी: इस खाने में आश्रेषक कुछ न लिखें प्रिषिटियां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  सार्वेषनपक्ष विलाणी नहीं मुहर कि असुल होने की नारीख विशेष पाल खाने में जमा करने की तारीख लिखें आबेदनपत्नों के रिजस्टर में दर्ज किया गया लिखें रिजस्टर में दर्ज किया गया लिसें सं	, मां चाक्षय , मां चाक्षय	दिनोक	में अया किया जाए। हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम
श्वसः ऋष, 2010 के को प्रतिभृतियां जारी की जाएं।  2. मै/हम के नाहता हूं/जाहते हैं कि उतका काल काल काल काल काल काल काल काल काल क	ू मांचक्षय	दिनांक	में अया किया जाए। हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम
ने सार कहण, 2010 के की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम के नाहता हूं/जाहते हैं कि उनका काल काल काल काल काल काल काल काल काल क	ूम(बाक्षय	दिनांक	में अवा किया जाए। हस्तक्षर पूरा (पूरे) नाम
स्थास ऋण, 2010 के को प्रतिभूतियां जारी की जाएं।  2. मैं/हम में साहता हूं/पाहते हैं कि उनका ब्याज  विशेष टिप्पणी: इस खाने में आ शेवक कुछ न लिखें प्रिविटियां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  पावेबनपक  कि अपूल होने की तारीख  विशेष पाल खाते में जमा करने की तारीख  तांच की गयी  क्षिप्री आ बेवनपत्नों के रिजस्टर में दर्ज किया गया  लिलिट सें वर्च किया गया  तांग /पक्ष सं  लिस्टर में वर्च किया निया  लिस्टर में वर्च किया  लिस्टर में  लिस्टर मे	ूम(बाक्षय	दिनांक	में अया किया जाए। हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम
स्थास ऋण, 2010 को प्रतिभृतियां जारी की जाएं।  2. मै/हम में चाहता हूं/चाहले हैं कि उनका ब्याज  विशेष टिप्पणी: इस खाने में आ लेवक कुछ न लिखें प्रविद्धियां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्धियां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्धियां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्धां प्राचाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्धां प्राचात को नार्याख्य द्वारा की जाएंगी।  प्रविद्धां प्राचात को नार्याख्य व्याप्त में जमा करने को तारीखा  प्रविद्धां स्वाची आवेबनपत्नों के रिजस्टर में दर्ज किया गया  प्रविद्धां प्राचात प्रविद्धां से स्वाची किया गया  प्राचार प्रविद्धां से से स्वाची कार्याख्य प्राचित्र करने की तारीख	ूम(बाक्षय	दिनांक	में अया किया जाए । हस्ताक्षर पूरा (पूरे) माम

- (2) यदि भावेदक का हस्ताक्षर प्रंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साभी हों। साक्षिमों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूर नाम, व्यवसाय और परे विये जाएं।
- (3) यदि द्याबेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया आए तो निवेग आवेदनगत्न के माथ निम्नलिखित वस्तावेज, यदि के लोक ऋण कार्याच्य में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये आएं:
  - (i) निगमन/पंजीबारण का मूल प्रमाणपक या कार्यालय के मृक्षांक के प्रधीन जारी करनेवाले प्राधिकारी धारा प्रमाणित उसकी सस्य प्रतिक्रिये ।

- (ii) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और श्रंतियम या निस्तों श्रीर िनियमौ/उप-निश्रमों की प्रमाणिन प्रिक्षिपयो ।
- (iii) कंपनी/मिकाय की श्रोर में सरकारी प्रतिभृतियों था जैनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(मों) के पक्ष में किये गये लंकरण की प्रमाणित प्रतिलिपि, जसके/जनके किधिकत् महार्थापन नमृता ह्रव्याक्षर/ह्रस्ताक्षरों के साथ ।
- (ा) ध्रामेदको को उन्हें आरी किये जाने वाले स्टाक प्रमाणपक्ष/पन्नों पर छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश कार्य (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरता चाहिए।

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Dolhi, the 4th June, 1990

the No.F.4(5)W&M/90:-Subscriptions 1995, per cent issues of 10.50 Loan. 2000, cent 11,25 per percent 10.75 Loan, 2010 11.50 percent. 2005 and Loan. 2000 Rs. aggregate amount : of for crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 11th June, 1990 upto the close of banking hours. In the event of 11th June 1990 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

- 2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 2000 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.
- 3. 10.50 per cent Loan, 1995 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June 1995.
  - (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 1995.
  - (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
  - (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 11th June 1990. Interest for the period from 11th June 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

- 4. 10.75 per cent Loan, 2000 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 1 1th June 2000.
  - (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2000.
  - (ii) Issue Price—The issue price will be Rs.1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal)
  - (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent. per annum from 11th June 1990. Interest for the period from 11th June 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 5. 11.25 per cent, Loan, 2005 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June 2005.
  - (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2005.
  - (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000,00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
  - (ili) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.25 per cent per annum from 11th June 1990. Interest for the period from 11th June 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June & 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 6. 11.50 per cent. Loan, 2010 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par fon the 11th June 2010.
  - (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2010.

- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 11th June 1990. Interest for the period from 11th June 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraph 10 & 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

- 8. Applications will be received at:
- (a) Offices of the Researve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.
- 9. Place of payment of interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury clsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.
- 10. Refund of tax deducted at the time of payme nt of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is tiable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Incometax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

- 11. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.
- 12. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investmets specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.
- 13. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.
- 14. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.
- 15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.
- 16. Applications sould be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.
- 17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on alotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President, MRS. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy.

# **BROKER'S STAMP WITH ADDRESS** FORM OF APPLICATION

	roma or 1	ii i Li Calli C					
I/We*							
	Full Name(s)		-	c			
			herewith tender Cash*	for			
			Cheque				
Rs		(Rupees		<i>(</i>			
and request that Securities of 10.50 per cent.	Loan 1995*/I	0.75 per cent	Loan 2000*/11.25 per cent Loan	n 2005*/			
11.50 per cent. Loan, 2010* of the nomina							
			nay be issued to me/t	72. III rII <del>G</del>			
form of stock Certificate*/Credit to my/our	* S.G.L. AC	count.*					
2. I/We* desire that interest be paid at							
ALD Other continued charled and mide as	and bloom in Abric	751					
N.B. —The applicant should not write an	iyining in this	cage. The					
entries will be filled in by the Receiving Office  Signature(s)							
			Names(s) in full.				
	Initials	Date	(Block Letters)				
Application No			(Block Detects)				
N.B. Stamp			***************************************				
Cash received on			Address				
Cheque realised on							
Credited to Special Current Account on			***************************************				
Examined			***************************************				
Cash Applications Register posted			Dated the	**********			
Brokerage Register posted			of June 1990.				
Indent No							
Scrip No							
Card No							
Voucher passed on							
MTV-1-to relact in not magnined							

#### Notes:

- (1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:
  - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the Company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
  - (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on stock certificate/s issued to them.

Delete what is not required.